भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1112

10 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात उत्पादों की कमी

1112. श्री परिमल नथवानी:

श्री सुभाष चन्द्र बोस पिल्ली:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सरकार के संज्ञान में आया है कि आवास और निर्माण परियोजनाओं में कुछ महीनों के लिए मंदी आएगी क्योंकि विक्रेता और खरीददार रॉड, पट्टियों और तारों जैसे बड़े इस्पात उत्पादों की कमी बता रहे हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह कमी लौह अयस्क की अनुपलब्धता के कारण हैं; और

(घ) यदि हाँ, तो सरकार इस समस्या का समाधान करने के लिए क्या-क्या उपाय करने का विचार रखती है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण अप्रैल से जून, 2020 की अवधि के दौरान लंबे इस्पात उत्पादों की खपत और उत्पादन में काफी गिरावट आयी थी। सरकार द्वारा किए गए क्रमिक रूप से खोले जाने संबंधी उपायों से, लंबे इस्पात उत्पादों की खपत और उत्पादन की स्थिति ठीक हो गई है और हाल के महीनों में पूर्ववर्ती वर्ष का स्तर प्राप्त हो गया है।

(ख): अप्रैल-दिसंबर 2020 और विगत वर्ष की उसी अवधि के दौरान लंबे उत्पादों के उत्पादन और खपत का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:-

माह	बार्स एंड रॉड्स		स्ट्रक्चरल्स	
	उत्पादन	खपत	उत्पादन	खपत
अप्रैल-19	3855	2773	679	513
अप्रैल-20	342	352	20	92
मई-19	4061	3909	671	635
मई -20	2241	2269	355	297
जून-19	3919	3826	604	573
जून -20	2839	3055	525	522
जुलाई-19	3843	3820	666	552
जुलाई -20	3149	3132	561	615
अगस्त-19	3593	4228	612	625
अगस्त -20	3295	3500	598	587
सितंबर-19	3302	3678	604	538
सितंबर -20*	3540	3753	625	639
अक्टूबर-19	3459	3823	610	633
अक्टूबर -20*	3832	4230	670	715
नवंबर-19	3753	3031	645	643
नवंबर -20*	3831	4103	578	576
दिसंबर-19	3848	3950	662	706
दिसंबर -20*	4026	4174	610	647
स्रोत : संयुक्त संयंत्र समिति; *अनंतिम (मूल्य हजार टन में)				

(ग) और (घ): अप्रैल-नवम्बर 2020 के दौरान लौह अयस्क का उत्पादन विगत वर्ष की तत्संबंधी अवधि के 152 एमटी की तुलना में 112 एमटी था जिसका कारण अन्यों के साथ-साथ मार्च 2020 की नीलामी के बाद ओडिशा में 13 चालू खनन पट्टों का गैर-प्रचालन था। लौह अयस्क की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में अन्यों के साथ-साथ लौह अयस्क का उत्पादन बढ़ाना, सेल को फ्रेश फाइन और डंप तथा अवशिष्ट बेचने की अनुमति प्रदान करना, सेल द्वारा लौह अयस्क के फाइंस की नीलामी में तेजी लाना और ओडिशा की जब्त कार्यशील खानों का जल्दी प्रचालन आदि शामिल है।

*****